gkgsnotes.com

चंबल नदी (Chambal River)

1. सामान्य परिचय

- नदी तंत्र: यमुना की सबसे लंबी सहायक नदी (गंगा नदी प्रणाली का भाग)।
- उद्गम (Origin): जानापाव पहाड़ी, विंध्य पर्वत श्रृंखला (मऊ गाँव, इंदौर, मध्य प्रदेश)।
- मुहाना (Mouth): इटावा जिले (उत्तर प्रदेश) में यमुना नदी में विलय।
- प्रवाह दिशा: उत्तर-पूर्व।
- कुल लंबाई: 1024 किलोमीटर।
  - मध्य प्रदेश: 376 किमी
  - राजस्थान: 249 किमी
  - मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा: 216 किमी
  - मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सीमा: 150 किमी
  - उत्तर प्रदेश: 33 किमी
- भौगोलिक विशेषताएँ:
  - प्रकृति: सदाबहार नदी (वर्षा और भूमिगत जल पर निर्भर)।
  - प्रवाह प्रतिरूप: वृक्षाकर प्रवाह क्षेत्र (विंध्य और अरावली के मध्य)।
  - नदी प्रकार: अध्यारोपित नदी (Superimposed River)।
  - अपरदन: सर्वाधिक अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) के लिए प्रसिद्ध।
  - स्थलाकृति: उत्खादभूमि (Bad land topography) और बीहड़ का निर्माण।

2. प्रवाह क्षेत्र (जिले)

- मध्य प्रदेश: इंदौर, धार, उज्जैन, रतलाम, नीमच, श्योपुर, मुरैना, भिंड।
- राजस्थान:
  - प्रवेश: चौरासीगढ़ (चित्तौड़गढ़)।
  - जिले: चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर।
- उत्तर प्रदेश: आगरा, इटावा।

3. चंबल नदी के उपनाम

- चर्मण्वती: प्राचीन और पौराणिक नाम (महाभारत में उल्लेख)।
- डाकुओं की शरणस्थली: बीहड़ों में बागियों (फूलन देवी, मानसिंह, पान सिंह तोमर) के छिपने के कारण।
- बीहड़ों की नदी: गहरे और ऊबड़-खाबड़ रैवाइन (Ravines) के निर्माण के कारण।
- मगरमच्छों और घड़ियालों की शरणस्थली: दुर्लभ जलीय जीवों के प्राकृतिक संरक्षण के कारण।
- राजस्थान की कामधेनु: प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सिंचाई के लिए अत्यंत लाभकारी होने के कारण।

4. प्रमुख बांध (दक्षिण से उत्तर की ओर क्रम)

- गांधी सागर बांध:
  - स्थान: मंदसौर (मध्य प्रदेश)।
  - विशेषता: पहला और सबसे ऊंचा गुरुत्वीय बांध (आधारशिला: 1954, पं. नेहरू)।
  - क्षमता: 115 मेगावाट (5x23 MW)।
- राणा प्रताप सागर बांध:
  - स्थान: रावतभाटा, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)।
  - विशेषता: राजस्थान का सर्वाधिक भराव क्षमता वाला बांध; परमाणु संयंत्र के लिए उपयोगी।
  - क्षमता: 172 मेगावाट (4x43 MW)।
- जवाहर सागर बांध:
  - स्थान: कोटा (राजस्थान)।
  - विशेषता: इसे 'पिक-अप बांध' भी कहा जाता है।
  - क्षमता: 99 मेगावाट (3x33 MW)।
- कोटा बैराज:
  - स्थान: कोटा (राजस्थान)।
  - उद्देश्य: केवल सिंचाई और जल आपूर्ति (विद्युत उत्पादन नहीं होता)।

5. महत्वपूर्ण स्थल एवं परियोजनाएं

- चुलिया जलप्रपात: रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) के पास, चंबल की मुख्य धारा पर स्थित।
- रावतभाटा परमाणु संयंत्र: भारत का दूसरा व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र (1973), NPCIL द्वारा संचालित।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य:
  - विस्तार: 435 किमी (MP-320 किमी, राज-130 किमी, UP-20 किमी)।
  - संरक्षित जीव: घड़ियाल, मगरमच्छ, गंगा डॉल्फिन, सॉफ्ट शेल्ड कछुए।
  - विशेष स्थान: चंबल और पार्वती नदी के मिलन बिंदु पर स्थित।

6. प्रमुख सहायक नदियां

- दाएं तट की नदियां:
  - क्षिप्रा नदी:
    - उद्गम: काकरी बरडी पहाड़ी (इंदौर)।
    - संगम: मंदसौर (चंबल में)।
    - तथ्य: उज्जैन का कुंभ मेला और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग इसी के किनारे हैं।
    - सहायक: कान्हा और गंभीर।
  - काली सिंध:
    - उद्गम: बागली, देवास (विंध्य पर्वत)।
    - संगम: नोनेरा (कोटा)।
    - बांध और किले: कुंडालिया बांध; गागरोन का किला (आहू और काली सिंध के संगम पर)।
    - सहायक: परवन (शेरगढ़ दुर्ग), आहू, नेवज (मोहनपुरा बांध)।
  - पार्वती नदी:
    - उद्गम: सिद्दीकगंज (सीहोर)।
    - संगम: श्योपुर और सवाई माधोपुर की सीमा पर।
  - कुनो नदी:
    - उद्गम: गुना।
    - तथ्य: यह कुनो राष्ट्रीय उद्यान (चीता प्रोजेक्ट) के बीच से गुजरती है।
- बाएं तट की नदियां:
  - बनास नदी:
    - तथ्य: चंबल की सबसे लंबी सहायक नदी (512 किमी); पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली।
    - उद्गम: खमनेर पहाड़ी (राजसमन्द)।
    - त्रिवेणी संगम: रामेश्वरम घाट (बनास + चंबल + सीप नदी)।
    - बांध: बीसलपुर बांध (टोंक)।
  - मेज नदी:
    - उद्गम: मांडलगढ़ (भीलवाड़ा)।
    - संगम: कोटा।
  - ब्राह्मणी (बामनी) नदी:
    - उद्गम: हरिपुर गाँव (चित्तौड़गढ़)।
    - संगम: भैंसरोड़गढ़ के पास।
    - किला: संगम पर भैंसरोड़गढ़ दुर्ग (राजस्थान का वैलोर) स्थित है।

gkgsnotes.com

नोट: यह माइंड मैप केवल Quick Revision के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय केसभी कॉन्सेप्ट्स को विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने केलिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।

copyright © gkgsnotes.com| All Right Reserved